सत्यमेव जयते

षोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-4

बृहस्पतिवार, तिथि 27 फाल्गुन, 1937 (श०) / 17 मार्च, 2016 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 115

(1)	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	-	-	30
(2)	नगर विकास विभाग	-	-	38
(3)	राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग	-	-	22
(4)	कृषि विभाग	-	-	07
(5)	पशुपालन एवं मत्स्य विभाग	-	-	09
(6)	खाद्य, आपूर्ति एवं वाणिज्य विभाग	-	-	08
(7)	सहकारिता विभाग	-	-	01
			कुल योग —	115

जलमीनार का निर्माण

'क'-*410. श्री शमीम अहमद—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के बनकटवा प्रखंड के [illegible] पंचायत एवं [illegible] पंचायत के बीच अवस्थित गाँव, [illegible] एवं [illegible] गाँव में जलमीनार का निर्माण नहीं होने के कारण 10 हजार की आबादी शुद्ध पेयजल से वंचित है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त स्थानों पर जलमीनार का निर्माण करवाकर ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

परिचालन का विचार

'ख'-*616. श्री विजय कुमार सिन्हा—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिलान्तर्गत लखीसराय नगर परिषद क्षेत्र में बस स्टैण्ड 6 वर्ष पूर्व बनकर तैयार है, लेकिन अभीतक वहाँ से बस का परिचालन शुरू नहीं हुआ है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त बस स्टैण्ड से बस का परिचालन कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पाइप लाइन बिछाना

*1614. श्री निरंजन कुमार मेहता—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिला के उदाकिशुनगंज प्रखंड के पी० एच० ई० डी० कार्यालय कैम्पस में प्रा० स्वास्थ्य केन्द्र, थाना, न्यायालय, बी० एस० पी० कार्यालय एवं चौक-चौराहे के लोगों के उपयोगार्थ जलमीनार का निर्माण कार्य वर्ष 2010 में ही पूरा हो गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त जलमीनार से संबंधित पाइप लाइन का बिछाने का कार्य केवल 80 प्रतिशत ही पूरा हो पाया है, जिस कारण से आजतक जल आपूर्ति का कार्य आरम्भ नहीं हो पाया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जलमीनार से संबंधित बचे हुए 20 प्रतिशत पाइप लाइन बिछाने का कार्य सम्पन्न कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्ति करना

*1615. श्री (मो०) जावेद—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के [illegible] स्थित समनपुरा मोहल्ला में दो वर्ष पूर्व नलकूप बोरिंग का निर्माण किया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त बोरिंग को मात्र दो घंटे सुबह एवं दो घंटे शाम में ही स्थानीय नागरिकों की सहायता से चलाया जाता है, जिससे पूरे मुहल्ला वासियों को पर्याप्त पेयजलापूर्ति नहीं हो पा रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त बोरिंग से पर्याप्त पेयजलापूर्ति कराने हेतु एक विभागीय ऑपरेटर की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक ?

नोट—'क'-दिनांक 3 मार्च, 2016 एवं 10 मार्च, 2016 को सदन द्वारा स्थगित।

'ख'-दिनांक 8 मार्च, 2016 को सदन द्वारा स्थगित एवं नगर विकास एवं आवास विभाग में स्था०।

भवन का निर्माण

*1616. श्री प्रमोद कुमार—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी नगर परिषद् अधीन नगर सरकार भवन का निर्माण लगभग 3 करोड़ की लागत से करने हेतु जून माह 2015 में राज्यस्तरीय निविदा निकाला गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मोतिहारी नगर परिषद् द्वारा भवन निर्माण के लिये नगर के बीचों-बीच ऐतिहासिक गाँधी स्मारक के सामने एवं नगर थाना के सामने तथा कस्टम ऑफिस के सीमा से सटे दो खाली भू-खंडों का प्रस्ताव जिला प्रशासन को दिया गया है, यदि हाँ, तो इसे कार्यान्वित करने हेतु सरकार की क्या योजना है ?

लाभ की राशि का भुगतान

*1617. श्री सुरेश कुमार शर्मा—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर नगर निगम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सेवान्त लाभ, बकाया वेतन तथा ए० सी० पी० लाभ की राशि का भुगतान निगम द्वारा नहीं की गई है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

जलापूर्ति कराना

*1618. श्री नारायण प्रसाद—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिला के नौतन प्रखण्ड अंतर्गत मंगलपुर गुदरिया पंचायत में सरकारी भूमि उपलब्ध रहने के बावजूद पाइप लाइन से जल आपूर्ति करने की योजना वर्ष 2005 से लम्बित है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त पंचायत में कबतक जलापूर्ति योजना का कार्य शुरू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जलापूर्ति योजना लागू करना

*1619. श्री मिथिलेश तिवारी—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार ने सात निश्चयों में शामिल "हर घर में नल से जल" और "हर घर में शौचालय" बनाने की योजना अन्तर्गत राज्य के सभी जिलों में चयनित 400 ग्राम में पाइप जलापूर्ति की 330 योजनायें वित्तीय वर्ष 2014-15 से प्रस्तावित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पिछले डेढ़ साल में आवंटित 250 करोड़ में से केवल 25 प्रतिशत की राशि भी अभीतक खर्च नहीं हो पाई है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इतने महत्वपूर्ण योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

यात्रियों को सुविधा देना

*1620. श्री अरुण कुमार सिन्हा : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना के राजेन्द्रनगर टर्मिनल पर [illegible] रोड से जाने हेतु यात्रियों को सवारी रिक्शे पर पहुँचना ही एकमात्र विकल्प है, जिसके कारण चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूल जा रहा है एवं यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है, यदि हाँ, तो सरकार इस मार्ग पर यात्रियों की असुविधा को दूर करने के लिये कौन-सा कदम उठाने का विचार रखती है ?

शौचालय का निर्माण

*1621. श्री रमेश ऋषिदेव—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:

(1) क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिलान्तर्गत कुमारखंड, सिंहेश्वर एवं शंकरपुर प्रखंड में वित्तीय वर्ष 2013-14 में सामुदायिक शौचालय का निर्माण करना था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्रखंडों में शौचालय निर्माण की राशि वर्ष 2014 से मधेपुरा जिला पदाधिकारी के पास पड़ा हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्रखंडों में सामुदायिक शौचालय निर्माण नहीं करने वाले पदाधिकारी पर कार्रवाई करते हुये सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

दुकान आवंटित करना

*1622. श्री सुभाष प्रसाद—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:

(1) क्या यह बात सही है कि [illegible] जिलान्तर्गत [illegible] नगर क्षेत्र के [illegible] में फुटपाथी दुकानदारों को हटाया जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि ऐसे दुकानदारों को चिन्हित कर [illegible] से दुकान आवंटित करने का सरकार के पास कार्य योजना है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त दुकानदारों को दुकान आवंटित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नगरपालिका का दर्जा देना

*1623. श्री [illegible] प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि विधान सभा क्षेत्र [illegible] जिला [illegible] में [illegible] बाजार काफी पुराना बाजार है, इसमें प्रखंड, अंचल, थाना, [illegible] एवं विद्युत कार्यालय के अलावे 90 प्रतिशत व्यापारी अपना कार्यकलाप करते हैं, जिसे वर्ष 2004 में नगरपालिका का दर्जा देने की घोषणा तत्कालीन [illegible] द्वारा की गयी थी, यदि हाँ, तो सरकार [illegible] बाजार को नगरपालिका का दर्जा देने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

फल मंडी स्थापना

*1624. श्री अशोक कुमार — क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि [illegible] जिला अंतर्गत [illegible] के [illegible] में फल मंडी का [illegible] होने के कारण फल पूर्णतः बन्द हो जाने से [illegible] बाधित हो जाता है; यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थान पर [illegible] फल मंडी स्थापना का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

डीजल अनुदान देना

*1625. श्री राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव — क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 में रब्बी फसल के उत्पादन के लिये डीजल अनुदान के लिए किसान देने की घोषणा की गयी थी;

(2) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मीनापुर प्रखंड में रब्बी फसल का डीजल अनुदान नहीं मिला है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त वित्तीय वर्ष के रब्बी फसल का डीजल अनुदान देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पशु चिकित्सालय खोलना

*1626. श्रीमती [illegible] देवी — क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत नीमचक बथानी प्रखंड में पशु चिकित्सालय नहीं होने के कारण प्रखण्ड के पशुपालकों को काफी असुविधा हो रही है एवं असमय [illegible] इलाज के अभाव में मर जाते हैं; यदि हाँ, तो सरकार नीमचक बथानी प्रखण्ड मुख्यालय में कबतक आधुनिक पशु चिकित्सालय खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

शुद्ध पेयजल आपूर्ति

*1627. डॉ॰ सैयद अबु दोजाना : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के चोरौत प्रखंड अन्तर्गत भंटाबारी पंचायत के ग्राम-[illegible] में ग्रामीण शुद्ध पेयजल योजनान्तर्गत जलमीनार का निर्माण नहीं होने से शुद्ध पेयजल आपूर्ति में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त जलमीनार का कबतक निर्माण कराकर शुद्ध पेयजल आपूर्ति कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति

*1628. श्री अचमित ऋषिदेव : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत रानीगंज प्रखंड के कोशिकापुर दक्षिण पंचायत के कोशिकापुर ग्राम की आबादी 4,000 से अधिक है जहाँ जलमीनार का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को आयरनमुक्त स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति में बाधा हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त ग्राम में जलमीनार बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नगर परिषद् का दर्जा देना

*1629. श्री रत्नेश सादा : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत सोनवर्षा प्रखण्ड के सोनवर्षा पंचायत की आबादी 15 हजार है एवं उक्त पंचायत नगर परिषद् का दर्जा हेतु सारी प्रक्रिया पूरी करता है, यदि हाँ, तो सोनवर्षा पंचायत को अबतक नगर परिषद् का दर्जा नहीं देने का क्या औचित्य है ?

जलमीनार बनाना

*1630. श्री विनय कुमार सिंह : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि [illegible] जिलान्तर्गत [illegible] प्रखंड के महतौरा, दरियापुर प्रखंड के गोरहा, दुधैला एवं जैतपुर आदि गाँवों जिनकी आबादी 5,000 से अधिक है, ऐसे गाँवों में सरकार द्वारा जलमीनार निर्माण कराने की घोषणा वर्ष 2011 में की गयी है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त गाँवों में जलमीनार बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जीर्णोद्धार करना

*1631. श्री [illegible]—क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार द्वारा बिहार के प्रत्येक जिला में एक गौशाला/गोरक्षणी खोला गया है, जिसकी स्थिति दयनीय है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार राज्य के सभी गौशाला/गोरक्षणी का जीर्णोद्धार [illegible] करने का विचार रखती है ?

रैयत का नवीकरण मामला

*1632. श्री विजय कुमार (विजय)—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिलान्तर्गत खासमहाल रैयतों का लीज नवीकरण [illegible] 1991—92 से लंबित है, जिसमें से अबतक मात्र 18 [illegible] का ही नवीकरण हुआ है एवं नवीकरण हेतु मात्र 7 वर्ष शेष बचा हुआ है, यदि हाँ, तो सरकार खासमहाल रैयतों का लीज नवीकरण [illegible] करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नाला का निर्माण

*1633. श्री [illegible]—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना नगर निगम के वार्ड नं० 17 अन्तर्गत [illegible] के [illegible] मोड़ से अनु० जाति बस्ती को जोड़ने वाले पथ में [illegible] के मकान से [illegible] के मकान तक की सड़क व भू-गर्भीय नाला [illegible] जर्जर स्थिति में है;

(2) क्या यह बात सही है कि सड़क जगह-जगह भू-गर्भीय नाला के [illegible] पानी का निकास नहीं हो [illegible] जिससे आवागमन में काफी असुविधा हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पथ एवं नाला का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

शौचालयों का निर्माण

*1634. श्री [illegible] प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के प्राथमिक/मध्य विद्यालयों एवं आँगनबाड़ी केन्द्रों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था हेतु वर्ष 2015-16 में 7,731 विद्यालयों में [illegible] पेयजल की व्यवस्था तथा 4,590 नये शौचालयों के निर्माण हेतु [illegible] लाख रुपये का प्रावधान किया गया है, परन्तु अबतक 15 प्रतिशत लक्ष्य को भी प्राप्ति नहीं हो सकी है, यदि हाँ, तो उसका क्या औचित्य है ?

पेयजल आपूर्ति कराना

*1635. श्री रत्नेश सादा—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत सोनवर्षा प्रखंड के मंहुआ, उत्तरवारी पंचायत में स्टेट जलापूर्ति योजना के तहत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति नहीं की जा रही है, यदि हाँ, तो जलमीनार का निर्माण कराकर इस योजना के तहत पेय जलापूर्ति हेतु सरकार की क्या योजना है ?

शौचालय का जीर्णोद्धार

*1636. श्री सैयद अबु दौजाना—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के सुरसंड प्रखंड के मेन चौक पर शौचालय जीर्ण-शीर्ण रहने के कारण लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त शौचालय का कबतक जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

लक्ष्य की प्राप्ति

*1637. श्री संजय सरावगी—स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 27 नवम्बर, 2015 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''अभियंताओं के दस्तखत से शौचालय निर्माण का चेक'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि 1 करोड़ 64 लाख शौचालय वर्ष 2019 तक बिहार को खुले में शौच मुक्त बनाने का लक्ष्य एक वर्ष पूर्व निर्धारित किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में 27 लाख शौचालयों को बनाने के लक्ष्य के सापेक्ष अबतक मात्र 1 लाख शौचालय ही बनाये जा सके हैं, यदि हाँ, तो वर्ष 2019 तक लक्ष्य प्राप्ति हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है ?

सड़क का पक्कीकरण

*1638. श्री सुनील कुमार—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत डुमरा नगर पंचायत के शंकर चौक से बरियारपुर बाजार तक जानेवाली सड़क कच्ची है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त सड़क का पक्कीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1639. श्री जनक कुमार सिन्हा—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिला के टिकारी प्रखंड के केसपा पंचायत के चोहिया गाँव में मिनी वाटर टंकी का निर्माण हो रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मिनी वाटर टंकी योजना दलित, महादलित आबादी को लाभ पहुँचाने के लिये है एवं चोहिया गाँव में मिनी वाटर टंकी का पाईप महादलितों, दलितों के बीच न बिछाकर दूसरे जातों के बीच बिछाया जा रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार टिकारी प्रखंड के चोहिया गाँव में निर्माणाधीन मिनी वाटर सप्लाई योजना को महादलित आबादी के बीच पहुँचाने एवं योजना में गड़बड़ी करने वाले के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क को ऊँचा करना

*1640. श्री (मो०) नेमतुल्लाह—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीवान नगरपालिका अन्तर्गत शाहजी मुहल्ला के मुख्य मार्ग को ऊँचा करने के कारण बी०आई०पी० क्वार्टर/गाँधी/ब्रह्म स्थान एवं साहुन टोली की सड़कें नीचे हो गयी हैं, फलतः बरसात में जल जमाव की परेशानी होती है; यदि हाँ, तो सरकार बी०आई०पी० क्वार्टर/गाँधी/ब्रह्म स्थान/साहुन टोली के सड़कों को कबतक ऊँचा कराना चाहती है ?

मास्टर प्लान बनाना

*1641. श्री संजीव चौरसिया—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना का मास्टर प्लान सन् 1981 में बना जिसकी वैधता 20 वर्षों की थी, जो 2001 में समाप्त हो गया है, यदि हाँ, तो अबतक किसी नये मास्टर प्लान नहीं बनाये जाने का क्या औचित्य है ?

आवासीय मकान का आवंटन

*1642. श्री (डॉ०) शकील अहमद खाँ--क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्णियाँ सहित अन्य जिलों में बिहार राज्य आवास बोर्ड के द्वारा 15 वर्ष पहले दस हजार से अधिक आवासीय मकानों का निर्माण कराया गया था, जिसे अद्यतन आवंटित नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

दोषी पर कार्रवाई

*1643. श्री अभय कुमार सिन्हा--क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत टिकारी प्रखंड के भोरी में पानी टंकी एवं कोंच प्रखंड के अदई पंचायत के उतरी में मिनी वाटर टंकी का निर्माण एक वर्ष पूर्व हो चुका है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पानी टंकी (भोरी, टिकारी) एवं मिनी पानी टंकी (उतरी, कोंच) से लोगों को पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपरोक्त पानी टंकी से ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति कराने एवं दोषी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1644. श्री सत्येन्द्र प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि लोहिया स्वच्छता योजना अन्तर्गत निर्मल भारत अभियान में ए०पी०एल० परिवारों में शौचालय निर्माण हेतु वर्ष 2015-16 में सरकार ने प्रोत्साहन की राशि के लिये 2000.00 लाख रुपये का प्रावधान किया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में अद्यतन उक्त राशि का मात्र 20% भी खर्च नहीं हो पाया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त योजना को अप्रभावी बनाने वाले संबंधित पदाधिकारी एवं एजेंसियों पर कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1645. श्रीमती गुलजार देवी--क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत फुलपरास अंचल के हल्का रामनगर के हल्का कर्मचारी द्वारा अभिलेख संख्या $\frac{1135}{14-15}, \frac{1584}{14-15}, \frac{377}{15-16}, \frac{378}{15-16}, \frac{526}{15-16}, \frac{608}{15-16}, \frac{926}{15-16}, \frac{967}{15-16}$ द्वारा स्वीकृत दाखिल खारिज वाद का जमाबन्दी कायम करने में संबंधित रैयतों से पैसे की माँग की गयी है तथा पैसा नहीं देने के कारण उनको नया जमाबन्दी का लगान रसीद नहीं निर्गत किया गया है, यदि हाँ, तो जमाबन्दी कायम करने एवं हल्का कर्मचारी पर कार्रवाई हेतु सरकार की क्या योजना है ?

जमीन की रक्षा करना

*1646. श्री महबूब आलम—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार काश्तकारी अधिनियम 49 (बी०) के तहत आदिवासी रैयतों की जमीन का क्रय विक्रय एवं स्थानांतरण जाति अनुमती के बिना और बिना समाहर्ता के न्यायालय के आदेश के प्रभावी नहीं हो सकती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ प्रमंडल में उपरोक्त कानून का उल्लंघन करते हुये सी०ओ० एवं डी०सी०एल०आर० द्वारा जाति का अनुमति देकर आदिवासी रैयतों की जमीन का हस्तानान्तरण एवं नामांतरण भी अविध किसी अन्य लोगों को किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त कानून के लागू होने के बाद से किये गये नामांतरण को रद्द कर आदिवासियों के जमीन की रक्षा करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापन करना

*1647. श्री दिनेशचन्द्र यादव—क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत पशु चिकित्सालय सलखुआ में प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी, पशुधन सहायक एवं रात्रि प्रहरी के स्वीकृत पद के विरुद्ध एक साल से कोई कर्मी कार्यरत नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक सलखुआ में पशु चिकित्सा पदाधिकारी, पशुधन सहायक एवं रात्रि प्रहरी का पदस्थापन करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

मोटर पम्प लगाना

*1648. श्री नन्द किशोर यादव—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिलान्तर्गत पटना सिटी के वार्ड नं० 63 में खाजेकलाँ पानी टंकी में उच्च प्रवाह की पेयजल हेतु नयी बोरिंग का निर्माण कराया गया है, जो सितम्बर, 2015 में ही पूर्ण हो गया है, परन्तु मोटर, पम्प एवं क्वार्टर अभीतक नहीं लगाये जाने के कारण इसे चालू नहीं किया जा सका है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

स्थानान्तरित करना

*1649. श्री अशोक कुमार—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग के पत्रांक 434, दिनांक 1 मार्च, 2007 के अनुसार किसी पदाधिकारी/कर्मचारी को एक स्थान पर तीन वर्ष से अधिक तक पदस्थापित नहीं रखा जा सकता है;

(2) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत बुडा के कार्यपालक अभियंता 15 वर्षों से अधिक से वहीं पदस्थापित हैं, जो उपर्युक्त परिपत्र का उल्लंघन है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त परिपत्र का अनुपालन करते हुये उक्त कार्यपालक अभियंता को अन्यत्र स्थानान्तरित करने का विचार रखती है ?

अनुदान देना

*1650. श्री अशोक कुमार सिंह(203)—क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कैमूर जिले से समग्र गव्य विकास योजना अन्तर्गत जिला के पदाधिकारी के द्वारा एक करोड़ पचास लाख रुपये पत्रांक 235 दिनांक 19 जनवरी, 2016 द्वारा माँग किया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त राशि आवंटित कर चयनित लोगों को अनुदान देना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जलमीनार को चालू कराना

*1651. श्री विजय कुमार खेमका—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिले के शहरी क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिये पाँच जलमीनार वर्षों से बनकर तैयार है, परन्तु उक्त जलमीनार से जलापूर्ति नहीं हो रहा है साथ ही मोहल्लों में नया पाइप लाइन का विस्तार भी नहीं किया गया है तथा पुराना पाइप लाइन कार्यरत नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि नगर निगम, जिला प्रशासन एवं लोक स्वास्थ्य विभाग में तालमेल के अभाव में गुलाबबाग, खुश्कीबाग, पी०एच०ई०डी० कम्पाउंड, इनकम टैक्स ऑफिस एवं सदर अस्पताल में अवस्थित जलमीनार चालू नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूर्णियाँ जिला में निर्मित जलमीनार को चालू करते हुये प्रत्येक घर में शुद्ध पेयजल पहुँचाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्णयों को प्रभावी बनाना

*1652. श्री मिथिलेश तिवारी—क्या मंत्री, सहकारिता विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किसानों का धान सरल प्रक्रिया के तहत धान की अधिप्राप्ति सुनिश्चित करने में पूर्ण पारदर्शिता बरतने एवं प्रावधानों का कड़ाई से पालन करते हुये प्रत्येक अनुमंडल एवं मंडल पैक्स की स्थापना करने, जिसमें सभी प्रकार के कार्यप्रणाली एवं व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने का आदेश बिहार सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 में दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि पैक्स को सशक्त सेवा प्रणाली संस्था के रूप में विकसित करने के लिये इसे व्यावहारिक बनाने का निर्देश सरकार द्वारा 14 दिसम्बर, 2015 को दिया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपरोक्त निर्णयों को प्रभावी बनाना चाहती है, यदि हाँ, तो कबतक नहीं, तो क्यों ?

जूट मिल स्थापित करना

*1653. श्री निरंजन कुमार सिंह—क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कटिहार जिलान्तर्गत आजमनगर, बारसोई, बलरामपुर तथा कदवा प्रखण्ड में 40 हजार एकड़ भूमि में जूट की खेती होती है, परन्तु जूट मिल नहीं रहने के कारण जूट उत्पादकों को आर्थिक क्षति होती है;

(2) क्या यह बात सही है कि आजमनगर स्वास्थ्य केन्द्र के निकट 55 एकड़ कृषि फार्म की जमीन खाली है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार जूट उत्पादकों की कठिनाइयों को देखते हुये आजमनगर स्थित स्वास्थ्य केन्द्र के नजदीक खाली पड़े 55 एकड़ कृषि फार्म की भूमि पर जूट मिल स्थापित करने का विचार रखती है ?

नालों का निर्माण

*1654. श्री संजय सरावगी—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत तीन नाले दोनार चौक रेलवे गुमटी से दिग्घी पुल तक तीन खण्ड में (प्राक्कलित राशि 8.06 करोड़) गायत्री मंदिर से गुदरी बाजार होते हुये विभूति उच्च विद्यालय तक (प्राक्कलित राशि 1.51 करोड़) एवं एल०एन० मिश्रा पथ से बड़ा चौक तक (प्राक्कलित राशि 9.1 लाख) निर्माण हेतु स्वीकृति विभाग ने वित्तीय वर्ष 2013-14 में ही दिया था;

(2) क्या यह बात सही है कि तीनों योजनाओं का शिलान्यास तत्कालीन विभागीय मंत्री ने जनवरी, 2015 में ही किया था, लेकिन अभीतक कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपर्युक्त नालों का निर्माण एवं विलम्ब के लिये दोषी अधिकारियों को चिह्नित कर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सफाई एवं मिट्टी भराना

*1655. श्री अशोक कुमार—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला अन्तर्गत सासाराम में अवस्थित फजलगंज स्टेडियम में नगर परिषद् सासाराम द्वारा शहर का पूरा कूड़ा जमा करने के कारण स्टेडियम कूड़े के ढेर में तब्दील हो गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि स्टेडियम में कूड़ा रहने के कारण खेल-कूद बन्द है, जिससे युवाओं को बहुत कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्टेडियम की सफाई एवं मिट्टी भराई का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

अंचल निरीक्षक कार्यालय खोलना

*1656. श्री नन्द कुमार राय— क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मोतीपुर प्रखंड के मोतीपुर अंचल निरीक्षक कार्यालय मोतीपुर अंचल के नाम से अधिसूचित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अंचल वर्ष 1990 में अधिसूचित होने के बाद 5 वर्षों तक मोतीपुर में चलता था, लेकिन अब वर्ष 1995 से कांटी प्रखंड में चल रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अंचल निरीक्षक कार्यालय को पुनः अधिसूचित प्रखंड मोतीपुर में वापस कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नाला का पुनः निर्माण

*1657. श्री अख्तरुल इस्लाम शाहीन— क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर नगर परिषद् क्षेत्र के पंजाबी कॉलोनी, रोड नं० 01 से तनवीर अख्तर के घर तक आर०सी०सी० नाला नहीं रहने के कारण मुहल्लावासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त नाला का कबतक पुनर्निर्माण कार्य कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

खाद्यान्न की आपूर्ति

*1658. श्री मुन्द्रिका सिंह यादव— क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य में जनवितरण प्रणाली की दुकानों द्वारा कार्डधारियों को खाद्यान्न की आपूर्ति नहीं की जा रही है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है?

जलमीनार का निर्माण

*1659. श्रीमती पूनम यादव— क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत मोहिउद्दीननगर प्रखंड के मदुदाबाद पंचायत में जलमीनार नहीं रहने के कारण नागरिक दूषित जल पीने को मजबूर हैं, यदि हाँ, तो सरकार आर्सेनिक एवं फ्लोराइड युक्त दूषित पेयजल से मुक्त कराने हेतु मदुदाबाद पंचायत में कबतक जलमीनार बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पेयजल आपूर्ति करना

*1660. श्री सदानन्द सिंह : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के गोराडीह प्रखंड के ग्राम [illegible], [illegible], [illegible], फकीरिया [illegible], [illegible], [illegible] आदि ग्रामों में जलापूर्ति योजना पिछले 2 वर्षों से बंद पड़ा है, जिससे वहाँ ग्रामवासियों को पेयजल का संकट उत्पन्न हो गया है; यदि हाँ, तो सरकार उक्त जलापूर्ति योजना को पुनः कबतक चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पर्चा उपलब्ध कराना

*1661. श्री सुदामा प्रसाद : क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के दानापुर अंचल के अन्तर्गत शबरी नगर के गरीब भूमिहीन महादलित परिवार (मुसहर समुदाय) के 53 परिवारों का वासभूमि पर्चा को सभी आवश्यक एवं अनिवार्य औपचारिकताएँ वर्ष 2002 में ही पूरा कर लेने के बाद भी आजतक अनिर्णीत लंबित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त शबरी नगर में 100 मुसहर जाति के महादलित परिवार 60 वर्षों से अधिक समय से वास करते आ रहे हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त 53 परिवारों को वासभूमि पर्चा उपलब्ध कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जलापूर्ति योजना शुरू करना

*1662. श्री गुलाब यादव : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला के झंझारपुर नगर पंचायत के अधीन शहरी जलापूर्ति योजना का कार्य विगत छः माह से बंद है, यदि हाँ, तो सरकार जलापूर्ति योजना कबतक शुरू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दोषी के विरुद्ध कार्रवाई

*1063. श्रीमती गीता देवी—क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत [illegible] प्रखंड में खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उपभोक्ताओं को खाद्यान्न की आपूर्ति नियमित और निर्धारित रूप से नहीं की जाती है; यदि हाँ, तो सरकार इसकी जाँच कराकर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए निर्धारित एवं नियमित रूप से खाद्यान्न का वितरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नाला का निर्माण

*1064. श्री अख्तरुल इस्लाम शाहीन—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर नगर परिषद् क्षेत्र स्थित ताजपुर रोड में मारवाड़ी चौक से (रेलवे ओवर ब्रिज) आयकर कार्यालय तक मुख्य पथ जर्जर हालत है, जिसके कारण आम लोगों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार ताजपुर रोड के उक्त वर्णित स्थल पर सड़क को पक्की और नाला का अविलंब निर्माण कार्य कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नाला का निर्माण

*1065. डॉ॰ सुनील कुमार—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिला के बिहारशरीफ शहर में ख्याति प्राप्त हिन्दू धर्म को मानने वाला अखाड़ा है जहाँ पर प्रति वर्ष मेला लगता है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त धार्मिक अखाड़ा के आसपास विगत पाँच वर्षों से जल जमाव और गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है और नाला का निर्माण नहीं हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त धार्मिक अखाड़ा के सामने एवं इर्द-गिर्द जल-जमाव एवं गंदगी को मुक्त कराने हेतु नाला का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*1066. श्री प्रमोद कुमार—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिला के फुलवारीशरीफ प्रखंड अन्तर्गत वार्ड नं० 30 के ग्राम-[illegible] में श्री राम ईश्वर सिंह के मकान से ज्योतिष पथ को जोड़ने वाली सड़क एवं नाला का निर्माण नहीं होने के कारण वहां लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो सरकार नाला सहित उक्त सड़क का निर्माण कबतक कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पेय जल आपूर्ति कराना

*1667. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह— क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिले के नबीनगर प्रखंड अन्तर्गत ग्राम-पोल, सोनडीहा, बैरिया, चन्दागढ़, सिंहपुर, बीगहा, धर्मी खुर्द, करमा, महुआरी, सुन्दर, मझियांवा, रामपुरिया, एलावा, कामो, खुर्द, कर्मोलही, चितविग्घा आदि गाँवों में पेय जल का संकट है, यदि हाँ, तो इस समस्या को दूर करने हेतु सरकार की क्या योजना है ?

कार्य की शुरूआत करना

*1668. श्री अजीत शर्मा— क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर नगर निगम के 51 वार्डों में जनता को शुद्ध जलापूर्ति के लिये एशियन डेवलपमेंट बैंक संपोषित योजना के तहत जुलाई 2014 में चार सौ तिरपन करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली थी, जिसके अन्तर्गत जलमीनार एवं पाइप का बिछाव आदि किसी कार्य की शुरूआत अभीतक नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो अभीतक कार्य शुरू नहीं करने का क्या औचित्य है ?

रास्ता दिलाना

*1669. श्री अशोक कुमार सिंह (201)— क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कैमूर जिला के रामगढ़ प्रखंड के आरक्षित गाँव में आवागमन का कोई रास्ता नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि रामगढ़ प्रखंड के पिपरामपुर मौजा का चकबंदी का कार्य हो चुका है, किन्तु दखलदहानी नहीं होने के चलते आरक्षित गाँव को जाने का रास्ता नहीं मिला है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पिपरामपुर मौजा का दखलदहानी दिलाने एवं आरक्षित गाँव को रास्ता दिलाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

अनुदान की राशि देना

*1670. श्री विजय कुमार खेमका—क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला में किसानों को 2011 डीजल अनुदान की राशि बकाया है तथा किसानों को मौसम के प्रतिकूल होने पर डीजल अनुदान की राशि का वितरण नहीं हुआ है, जिससे किसानों को आर्थिक बोझ बढ़ा है, यदि हाँ, तो सरकार किसानों की बकाया डीजल अनुदान की राशि अबतक देने का विचार रखती है ?

राशन कार्ड की उपलब्धता

*1671. श्री समीर कुमार महासेठ—क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत मधवापुर प्रखंड के बासुकी बिहारी उत्तरी पंचायत में वर्तमान में छः जनवितरण प्रणाली की दुकानें संचालित हैं, परन्तु खुलने एवं बंद होने के सरकारी कैलेंडर का अनुपालन नहीं करने, खाद्य सुरक्षा योजना का राशन कार्ड नहीं मिलने तथा डीलर के पंजी में नाम दर्ज नहीं रहने के कारण बड़ी संख्या में लाभुक इस योजना के लाभ से वंचित हैं, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

पेयजल चालू कराना

*1672. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बेलसंड पी०एच०ई०डी० कार्यालय में था जलमीनार एवं पाईप लाइन पुराना, जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण होने तथा मोटर पम्प भी खराब होने के कारण विगत 10 वर्षों से पेय जल आपूर्ति बंद है, जिससे आम जनता को कठिनाई उत्पन्न हो रही है, यदि हाँ, तो इसे ठीक कराकर चालू कराने हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है ?

स्थानान्तरण करना

*1673. श्री ललन पासवान—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत नौहट्टा, रोहतास, शिव सागर एवं चेनारी अंचल के अंचलाधिकारी अपने-अपने अंचल मुख्यालय में न रहकर जिला मुख्यालय, सासाराम में रहते हैं, जिससे वहाँ के किसानों का कार्य समुचित ढंग से निष्पादित नहीं हो पा रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उपर्युक्त बिन्दुओं की जाँच कराते हुए संबंधित अंचलाधिकारियों को अन्यत्र स्थानांतरित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

राशन कार्ड देना

*1674. श्री नीरज कुमार सिंह : क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सुपौल जिलान्तर्गत छातापुर प्रखण्ड के रामपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड नं० 13 में करीब 40-45 महादलित परिवारों को राशन कार्ड निर्गत नहीं करने के कारण इनलोगों का अन्त्योदय, अन्नपूर्णा इत्यादि योजनाओं का लाभ नहीं प्राप्त हो सका है, जिसके कारण उक्त परिवारों के समक्ष भुखमरी की समस्या बनी रहती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त महादलित परिवारों को अविलम्ब राशन कार्ड सुविधा प्रदान करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

पोखर का जीर्णोद्धार

*1675. श्री रामसेवक सिंह : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला अन्तर्गत मीरगंज नगर पंचायत में हनुमान मंदिर के पास एक विशाल सरकारी तालाब है जो मरम्मत के अभाव में जीर्ण-शीर्ण स्थिति में है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त तालाब पर लगभग 20 हजार से अधिक की आबादी छठ एवं अन्य पर्वों पर पूजा अर्चना के लिये एकत्रित होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पोखर की उड़ाही कराते हुए पोखर का जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, हाँ तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

योजना कार्यान्वित करना

*1676. श्री राहुल तिवारी : क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के आदेश 2/03, दिनांक 1 जनवरी, 2012 द्वारा 223.34 करोड़ रुपये की लागत से भोजपुर जिलान्तर्गत शाहपुर प्रखंड एवं उसके आसपास के आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्र में प्रभावित 75 टोलों में सतही जल (गंगा नदी) आधारित बहुग्रामीण पाईप जलापूर्ति की योजना स्वीकृत की गयी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि शाहपुर प्रखंडान्तर्गत दामोदरपुर मौजा स्थित इन्टेक वेल के निर्माण हेतु भू-अर्जन हेतु स्वीकृति न दिये जाने के कारण भू-अर्जन के अभाव में आजतक उपर्युक्त योजना कार्यान्वित नहीं हो पायी है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भू-अर्जन कर उक्त योजना कार्यान्वित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भूमि आवंटित करने का औचित्य

*1677. श्री विनय बिहारी—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य आवास बोर्ड के अन्तर्गत कम आय वर्ग निर्धन व्यक्तियों को आवास बनाकर उसे आवंटित करने का प्रावधान है;

(2) क्या यह बात सही है कि आवास बोर्ड ने एम० सी० सी० आदि को नियम के विपरीत 4.335 एकड़ भूमि वर्ष 2009 में आवंटित कर दिया है, जिससे बोर्ड को लगभग तीन करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो आम जन के बदले एम० सी० सी० को भूमि आवंटित करने का क्या औचित्य है?

जलमीनार चालू कराना

*1678. श्री [illegible]—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत [illegible] प्रखण्ड को जलापूर्ति नहीं मिल रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त जलमीनार को अविलम्ब चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पशु अस्पताल खोलना

*1679. श्री [illegible]—क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बेगूसराय जिला के [illegible], [illegible] एवं [illegible] प्रखंडों में पशु चिकित्सालय नहीं है, जिस कारण सैकड़ों पशु असमय काल कवलित हो जाते हैं, यदि हाँ, तो सरकार उक्त तीनों प्रखंड के लिए एक पशु अस्पताल खोलने का विचार रखती है?

अतिक्रमण मुक्त कराना

*1680. श्रीमती बेबी कुमारी—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत बोचहाँ प्रखंड परिसर में 15 वर्ष पूर्व राजस्व कर्मचारियों को कार्य करने हेतु राजस्व कचहरी कार्यालय का भवन निर्माण कराया गया था, परन्तु विगत 10 वर्षों से राजस्व कचहरी कार्यालय में कर्मचारियों द्वारा कार्य नहीं करने के कारण स्थानीय असामाजिक तत्वों द्वारा कचहरी कार्यालय को अनधिकृत रूप से कब्जा कर लिया गया है, यदि हाँ, तो सरकार राजस्व कचहरी कार्यालय भवन को अतिक्रमण मुक्त कराने के साथ कचहरी कार्यालय में कार्य प्रारम्भ कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

जमीन कब्जा से मुक्त

*1681. श्रीमती गुलजार देवी—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला अन्तर्गत अंचल लौकही में मौजा अन्धरी के खाता 152 पुराना 558 नया खेसरा 7 पुराना 18 नया, रकवा 22 बीघा गैरमजरूआ आम जमीन है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्णित जमीन को वहाँ के स्थानीय लोगों द्वारा बीस साल पूर्व से अवैध कब्जा कर घर बना लिया गया है तथा सरकार को कोई राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त जमीन को मुक्त कराकर अपने कब्जे में लेने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

वसूली करने का औचित्य

*1682. श्री [illegible] प्रसाद—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2011-12 में कटिहार नगर निगम के गठन में ग्रामीण क्षेत्र के भू-भाग को वार्ड सं0-1 एवं 42 आंशिक तथा 3 एवं 45 पूर्ण रूप से सम्मिलित किया गया है, जिसका अधिकांश भाग कृषि भूमि है ;

(2) क्या यह बात सही है कि 11 मार्च, 2013 को आयोजित नगर निगम का सामान्य परिषद् की बैठक की कार्यवाही का प्रस्ताव सं0-3 के द्वारा कृषि भूमि पर करारोपण नहीं किया जायेगा, का निर्णय है, यदि हाँ, तो उक्त कृषि भूमि पर सम्पत्ति कर वसूली करने का क्या औचित्य है ?

दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई

*1683. श्री उमेश सिंह कुशवाहा—क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वैशाली जिला के [illegible] एवं महनार प्रखण्ड में खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी, गोदाम प्रबंधक एवं कुछ जन वितरण विक्रेता के द्वारा पिछले कई वर्षों से ग्रामीणों के बीच एक माह बीच करके अनाज एवं किरोसिन का वितरण किया जाता है, जिससे लाभुकों को वर्ष में छः माह का ही अनाज एवं किरोसिन मिल पाता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त अनियमितता की जाँच कर दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापन करना

*1664. श्री जय वर्धन यादव—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के [illegible] प्रखंड के अंचलाधिकारी प्रायः अपने कार्य से अनुपस्थित रहने के कारण उनपर दिसम्बर, 2015 में आरोप प्रपत्र 'क' गठित हुआ है;

(2) क्या यह बात सही है कि आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं जमीन का दाखिल-खारिज में लापरवाही बरतने के कारण अंचलाधिकारी ने जनवरी, 2016 में एक लाख रुपया जुर्माना और भी जमा किया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार लापरवाह पदाधिकारी पर कार्रवाई करते हुए अन्य ईमानदार एवं कुशल अंचलाधिकारी का पदस्थापन कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दूध की कीमत

*1665. श्री अशोक कुमार—क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कम्फेड द्वारा पशुपालकों से गाय का दूध फैट के आधार पर 24 से 25 रुपये प्रति लीटर लिया जाता है जबकि बाजार में गाय का दूध 35 रुपये प्रति लीटर बेचा जाता है, जबकि प्रोसेसिंग एवं ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट 2 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

पशु चिकित्सालय खोलना

*1666. श्री दिनेश चन्द्र यादव—क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत [illegible] प्रखंड के [illegible] स्थान ([illegible]) में पशु चिकित्सालय नहीं रहने के कारण बीमार पशुओं का इलाज नहीं हो पाता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थान पर कबतक पशु चिकित्सालय खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जमीन को उपयोग में लेना

*1667. श्री [illegible]—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला के अररिया विधान सभा क्षेत्र में वर्ष 1965-66 ई० में [illegible] द्वारा 330 बिगहा जमीन भू-दान में राज्य सरकार को दिया गया है;

(2) क्या यह सच है कि उक्त जमीन को स्थानीय लोगों द्वारा फर्जी कागजात बनाकर बिक्री किया जा रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त [illegible] की जमीन की बिक्री की जाँच कराकर [illegible] कार्यवाही में लाना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

जलापूर्ति कराना

*1688. [illegible] – क्या मंत्री, [illegible] विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि [illegible] जिलान्तर्गत [illegible] प्रखंड के [illegible] एवं [illegible] पंचायत के [illegible] आदि गाँव हैं जहाँ [illegible] के अभाव में पेयजल की समस्या बनी रहती है; यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त [illegible] जलापूर्ति कराने का विचार रखती है ?

दोषी के विरुद्ध कार्रवाई

*1689. श्री अशोक कुमार सिंह (बिहार) – क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि [illegible] जिले के [illegible] प्रखंड के [illegible] जनवरी, फरवरी, 2016 के [illegible] का वितरण नहीं किया है तथा [illegible] जनवरी, फरवरी, 2016 की [illegible]; यदि हाँ, तो सरकार दोषी [illegible] के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

सड़क का निर्माण

*1690. [illegible] – क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि [illegible] जिलान्तर्गत [illegible] के [illegible] चौक से [illegible] चौक होते हुये [illegible] चौक से [illegible] चौक होते हुये [illegible] चौक [illegible] सड़क [illegible] वर्षों से जर्जर है; यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क की चौड़ाई बढ़ाना

*1601. श्री भाई वीरेन्द्र—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य अंतर्गत नगर निगम एवं नगर परिषद के अधीन स्थित आवासीय कॉलोनी में सड़क की चौड़ाई (6 / 8) फीट या 8 है, जिससे मुहल्ले के आवासीय कॉलोनी में निवासित जनता को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का विचार रखती है ?

जलमीनार का निर्माण

*1602. श्री (मो०) तौसीफ आलम—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला के बहादुरगंज नगर पंचायत में जलमीनार नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक बहादुरगंज नगर पंचायत में जलमीनार का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अतिक्रमण हटाना

*1603. श्री भाई वीरेन्द्र—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना के बोरिंग कैनाल रोड पथ में स्थित कॉलेज, आशियाना मोड़ के फुटपाथ को पूरी तरह अतिक्रमण कर जगह-जगह होटल बनाकर व्यावसायिक कार्य किया जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त व्यावसायिक कार्यों का जमावड़ा रहता है, जिसके कारण पथ का आवागमन बंद रहता है एवं असामाजिक तत्वों द्वारा आने-जाने महिलाओं के साथ छेड़खानी की घटना होती रहती है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अतिक्रमण मुक्त कराना

*1604. श्री सुरेश कुमार शर्मा—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर शहर के मध्य में सिकन्दरपुर तालाब स्थित है, जिसमें बरसात का पानी जमा रहता है, जिससे लगभग 50 मुहल्ला का पानी ड्रेनेज होता है, उक्त तालाब से पशु-पक्षी आदि अपनी लाभान्वित होते हैं, लेकिन वर्तमान समय में उक्त तालाब की जमीन को स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण कर भरी जा रही है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त तालाब को कबतक अतिक्रमण मुक्त करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

राशि मुहैया कराना

*1695. श्री विद्या सागर केशरी— क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:

(1) क्या यह बात सही है कि समग्र गव्य विकास योजना के तहत बैंक के माध्यम से उद्यमकर्ताओं को अनुदान की राशि दी जाती है;

(2) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला के फारबिसगंज प्रखंड अंतर्गत पिछले एक वर्ष से गव्य विकास कार्यालय द्वारा स्वीकृत अनुदान की राशि का भुगतान उद्यमकर्ताओं को नहीं हो पाया है, जिससे उद्यमकर्ता को काफी कठिनाई हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्रखंड के उद्यमकर्ताओं को अनुदान देने हेतु राशि मुहैया कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पेय जलापूर्ति कराना

*1696. श्री विनय कुमार सिन्हा— क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखीसराय नगर परिषद एवं बड़हिया नगर पंचायत में सप्लाई द्वारा लोगों को पेयजल आपूर्ति की पाइप क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण नालियों में बहने वाले गंदे पानी पेयजल पाइपों के माध्यम से लोगों तक पहुँच रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त जर्जर पाइपों को बदलकर नगरवासियों को अविलंब स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कर्मचारी एवं उपकरण की व्यवस्था

*1697. श्री मदन मोहन तिवारी— क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिला के बेतिया के मझौलिया प्रखण्ड में किसानों की मिट्टी जाँच के लिये किसान भवन का निर्माण 2014 में ही हो चुका है;

(2) क्या यह बात सही है कि भवन निर्माण के दो वर्ष होने पर भी प्रयोगशाला, तकनीशियन एवं आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं रहने के कारण क्षेत्र के किसानों को मिट्टी जाँच की सुविधा नहीं प्राप्त हो पा रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मझौलिया प्रखण्ड में मिट्टी जाँच के लिये तकनीकी कर्मचारियों एवं उपकरणों की व्यवस्था कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बस पड़ाव में कूड़ा का उठाव

*1698. श्री मदन मोहन तिवारी— क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिलान्तर्गत बेतिया नगर परिषद् स्थित बस स्टैण्ड में बस पड़ाव स्थल पर कूड़ा कचरा आदि के कारण बस पड़ाव की स्थिति काफी खराब है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थल की कबतक सफाई कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जलमीनार का निर्माण

*1699. श्री अरुण कुमार सिन्हा--क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना नगर निगम के 72 वार्डों में 540 करोड़ की लागत से 72 जलमीनार बनाने का निर्णय 5 वर्ष पूर्व लिया गया था, जिसमें से 18 जलमीनारों पर कार्य हो रहा है किन्तु शेष 54 पर कार्य प्रारंभ भी नहीं हुआ है और परियोजना को बंद कर दिया गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार शेष 54 जलमीनारों के निर्माण का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अतिक्रमण मुक्त कराना

*1700. श्री विनोद कुमार सिंह--क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के कटिहार नगर के शिव मंदिर चौक बड़ी बाजार से दौलतराम चौक, पानी टंकी चौक से शहीद चौक, बाटा चौक से हरदयाल चौक तथा गर्ल्स स्कूल रोड, कटिहार में सड़क का अतिक्रमण किये जाने से लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त सभी सड़कों को कबतक अतिक्रमण मुक्त कराने का विचार रखती है ?

पाइप लाइन का विस्तार

*1701. श्री अशोक कुमार--क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत वारिसनगर प्रखंड के रहुआ ग्राम में पेय जलापूर्ति योजना का निर्माण करा पेयजल आपूर्ति करायी जा रही है;

(2) क्या यह बात सही है कि वहाँ से बिल्कुल पास के महादलित बस्ती लहवार टोला तक स्वच्छ पेयजल आपूर्ति नहीं करायी जा सकी है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लहवार टोला तक पाइप लाइन विस्तार कराकर इस योजना का लाभ वहाँ के निवासियों तक पहुँचाने का विचार रखती है ?

भूमि का सर्वे कराना

*1702. श्री अमित कुमार--क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में वर्ष 1960-65 में भूमि विवाद एवं रैयतों के मालिकाना के मद्देनजर सर्वे करायी गयी थी;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सर्वे का 50 वर्ष से अधिक हो जाने के बाद वर्तमान में पुनः भूमि विवाद की स्थिति बन रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार राज्य के भूमि का पुनः सर्वे कराकर भूमि अभिलेखों का अद्यतन कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

योजना का चयन

*1703. श्री (डॉ०) सुनील कुमार—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिला मुख्यालय बिहार शरीफ में मुख्यमंत्री शहरी विकास योजनान्तर्गत माननीय सदस्य की अनुशंसा पर योजनाओं का चयन कर कार्यान्वित किया जाता है;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रश्नकर्ता सदस्य द्वारा मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना में अनुशंसित योजनाओं की सूची दिनांक 29 जुलाई, 2015 की बैठक में पेश किया गया है, परन्तु अबतक दो बैठकों के उपरान्त भी योजनाओं का चयन नहीं होने के कारण उक्त योजना का कार्य ठप्प पड़ा हुआ है, यदि हाँ, तो इसका क्या औचित्य है ?

फैक्ट्री स्थापित करना

*1704. श्रीमती अमिता भूषण—क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत बरौनी प्रखंड के कपसगामा गाँव में लगभग 3 एकड़ जमीन पशुपालन विभाग के नाम से रजिस्टर्ड है, जिसमें एक दो मंजिला मकान और कई कमरे निर्मित हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि इस इलाके में मक्के की खेती अधिक होती है, जिससे मुर्गा का दाना और पशुचारा बनता है, लेकिन इस इलाके में मुर्गी दाना तथा पशुचारा बनाने की फैक्ट्री नहीं है, यदि हाँ, तो खंड (1) में वर्णित जमीन में इसे स्थापित करने हेतु सरकार की क्या योजना है ?

सड़क का पक्कीकरण

*1705. श्री चन्द्रसेन प्रसाद—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिला स्थित अगमकुआँ शीतला मंदिर से सटे पी०डब्लू०डी० गोदाम से प्रारंभ होकर नाला के किनारे स्थित सड़क भी है, जो तिलक नगर, छोटी पहाड़ी से समानान्तर होते हुए अगमकुआँ के मुख्य मार्ग तक जाती है कच्ची एवं जर्जर है; यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त सड़क को पक्कीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*1706. श्री संजय कुमार सिंह--क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला के संझौली प्रखण्ड अन्तर्गत उदयपुर ग्राम पंचायत भवन से वार्ड नं० 3 के आँगनबाड़ी केन्द्र होते हुए महादलित बस्ती तक पी०सी०सी० सड़क निर्माण नहीं होने से आम जनता को यातायात में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कथित सड़क का कबतक निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई

*1707. श्री नारायण प्रसाद--क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिला के सभी प्रखण्डों में वर्ष 2013 के अक्टूबर से दिसम्बर महीनों का खाद्यान्न का वितरण अभीतक नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक खाद्यान्न का वितरण कराने एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जलापूर्ति चालू कराना

*1708. श्रीमती (डॉ०) रंजू गीता--क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि विगत वर्षों में सीतामढ़ी जिला के प्रखण्ड नानपुर के नानपुर पंचायत एवं बाजपट्टी के अन्तर्गत दक्षिण में जलमीनार का निर्माण ग्रामीण स्वच्छ पेयजल योजना के तहत हुआ है, लेकिन ट्रांसफार्मर नहीं लगने एवं पाइप लाइन नहीं बिछाये जाने के कारण जलापूर्ति बाधित है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त वर्णित स्थानों पर आवश्यक सुविधा कबतक प्रदान कर जलापूर्ति चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बीमा राशि का भुगतान

*1709. श्री चन्दन कुमार--क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि खगड़िया जिलान्तर्गत अलौली प्रखण्ड में वित्तीय वर्ष 2012-13 में रब्बी फसल एवं वित्तीय वर्ष 2013-14 में खरीफ फसल की बीमा राशि किसानों को नहीं मिला है जबकि जिला पदाधिकारियों द्वारा सुखाड़ से संबंधित प्रतिवेदन दिया जा चुका है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त वित्तीय वर्ष का बीमा राशि किसानों को मुहैया कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पेयजल का समाधान

*1710. श्री नन्दकिशोर यादव—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना सिटी स्थित तुलसीमंडी बोरिंग, मंगलपुरा बोरिंग एवं कैमाशिकोह बोरिंग खराब हो गया है, फलतः स्थानीय नागरिकों को पेयजल आपूर्ति के संकट का सामना करना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त बोरिंग के स्थान पर नया बोरिंग करवाकर स्थानीय नागरिकों को पेयजल की समस्या का समाधान करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जमीन अधिग्रहण

*1711. श्री जनार्दन माँझी—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिलान्तर्गत अमरपुर एवं शम्भूगंज प्रखण्ड के सिरौंधा पंचायत के कैथा ग्राम के अनुसूचित ग्राम में बसे अनुसूचित टोला में सम्पर्क पथ नहीं है जिससे अनुसूचित जाति टोले के लोगों को आने-जाने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक जमीन अधिग्रहण कर सड़क सुविधा प्रदान करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1712. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत नवीनगर प्रखण्ड के ग्राम-टोल, भगवानपुर एवं कालापहाड़ में 2011-12 में ग्रामीण स्वास्थ्य-पेय जलापूर्ति योजना का कार्य प्रारम्भ किया गया है जो आजतक पूरा नहीं हो सका है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त योजना का संवेदक पुन्ज लॉयड कम्पनी ने काम छोड़ दिया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त कम्पनी पर कार्रवाई करते हुये शेष कार्य पूरा कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कोदई मौजे में जोड़ना

*1713. <u>श्री महेश्वर प्रसाद यादव</u>—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत गायघाट प्रखण्ड के जमालपुर कोदई मौजे थाना नं० 231 की जनसंख्या को उक्त मौजे से हटाकर बगल के तीन मौजे क्रमशः थाना नं० 232, हरपुर कमलपुर, थाना नं० 227 तथा जमालपुर कोदई उर्फ चौका थाना नं० 229 में जोड़ दिया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त महेश्वर ग्राम के महतो टोला, गोसाई टोला एवं डोम टोला पूर्व से एवं वर्तमान में भी जमालपुर कोदई के नक्शा में है, जिसका थाना नं० 231 है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त तीनों टोला को पुनः जमालपुर कोदई मौजे में जोड़ने का विचार रखती है, हाँ तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जलमीनार चालू कराना

*1714. <u>श्रीमती कुंती देवी</u>—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत खिजरसराय प्रखण्ड के मानपुर सरैया, नीमचक बथानी प्रखण्ड के नीमचक बथान एवं मोहड़ा प्रखण्ड के टेटार में जलमीनार विगत दो वर्षों से बनकर तैयार है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त जलमीनारों में बिजली कनेक्शन अभीतक नहीं लिया गया है जिससे जलमीनार चालू नहीं हो सका है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार विद्युत कनेक्शन देकर जलमीनार चालू कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्य पूर्ण कराना

*1715. <u>श्री सदानन्द सिंह</u>—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के गोराडीह प्रखण्ड के सारथ-डहरपुर पंचायत अन्तर्गत ग्राम-सारथ में पाइप जलापूर्ति योजनान्तर्गत गत 5 वर्ष पूर्व पाइप बिछाने एवं वाटर टैंक बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया था, जो आजतक अधूरा पड़ा हुआ है, यदि हाँ, तो सरकार इस कार्य को कबतक पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अभिलेखों का स्थानान्तरण एवं सुव्यवस्थित करना

*1716. श्री अशोक कुमार (132)--क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला से संबंधित राजस्व अभिलेखों को दरभंगा जिला अभिलेखागार से मँगाकर समस्तीपुर में सुरक्षित संग्रह कराने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया था, लेकिन अभीतक कार्रवाई पूरी नहीं हुई है, जिसके कारण अभिलेखों की तलाशी एवं सच्ची प्रतिलिपि प्राप्त करने में कई तरह की असुविधा और कठिनाई होती है ;

(2) यदि उपरोक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार समस्तीपुर से संबंधित राजस्व अभिलेखों को यथाशीघ्र दरभंगा से समस्तीपुर में स्थानान्तरण के साथ सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित कराकर यहाँ के लोगों को सहूलियत प्रदान करने का विचार रखती है ?

दोषी पर कार्रवाई

*1717. श्री [illegible]--क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समेकित आवास एवं मलिन बस्ती विकास कार्यक्रम के तहत सिर्फ निजी भूमि पर निवास कर रहे लोगों को ही आवास निर्माण हेतु राशि आवंटित की जाती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के नगर पंचायत, नौबतपुर द्वारा चालू एवं विगत वित्तीय वर्ष में इस योजना के तहत सरकारी भूमि पर निवास कर रहे लोगों को भी राशि आवंटित की गयी है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी जाँच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*1718. श्री मुद्रिका सिंह यादव--क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जहानाबाद जिला के नगर परिषद् जहानाबाद के वार्ड नं० 28 मोड़ बिगहा से खुशदिल बिगहा तक पथ निर्माण नहीं होने से आम जनता को कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक वर्णित पथ का निर्माण कराना चाहती है ?

जाँच कराना

*1719. श्री समीर कुमार महासेठ--क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत पंडौल प्रखण्ड क्षेत्र के पूर्वी पंचायत के चौस गाँव में सरकारी पोखरा के अतिक्रमण के कारण सरकार को राजस्व के लाखों रुपये की क्षति हो रही है, यदि हाँ, तो इसे अतिक्रमण मुक्त कराने एवं फर्जी रसीद की जाँच कराने हेतु सरकार की क्या योजना है ?

अनुदान की राशि देना

*1720. श्रीमती गुड्डी देवी—क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत रुन्नीसैदपुर प्रखंड में किसानों को रब्बी फसल के लिये डीजल अनुदान की राशि अभीतक प्रखंड कृषि पदाधिकारी द्वारा नहीं वितरित की गई है, जिससे किसान प्रभावित हैं, यदि हाँ, तो उक्त प्रखंड में डीजल अनुदान की राशि अभीतक वितरण नहीं करने का क्या औचित्य है ?

जमीन मुहैया कराना

*1721. श्रीमती लेशी सिंह—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत धमदाहा प्रखंड अन्तर्गत चिकनी, कुमरिया पंचायत के वार्ड नं० 6 अन्तर्गत भट्ठा कॉलोनी टोला बसौता तथा कलानपुर खगहा पंचायत के कलानपुर महादलित टोला में महादलित भूमिहीन परिवार को वास हेतु जमीन आवंटित नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त भूमिहीन परिवार को वास हेतु 5 डिसमिल जमीन मुहैया कराने का विचार रखती है ?

नाला पर ढक्कन रखना

*1722. श्री अजीत शर्मा—क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के भागलपुर नगर निगम में खंजरपुर से आदमपुर एवं आदमपुर के सी०एम०एस० स्कूल एवं पी०डब्लू०डी० रोड के बीच में हथिया नाला बहती है, जिसमें ढक्कन नहीं होने से नाला में मोटरसाइकिल, टेम्पू आदि गिरकर दुर्घटनाएँ होती रहती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त नाला पर ढक्कन रखने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*1723. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान—स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 9 दिसम्बर, 2013 को प्रकाशित शीर्षक ''अनाज वितरण में गड़बड़ी के विरुद्ध में हंगामा'' को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत प्रखंड परसौनी अंतर्गत पंचायत बेलवार, परसौनी, सिंहवाहिनी बेलसंड का भोरहा पताही चैनपुर और बेलसंड प्रखंड के बेलसंड नगर पंचायत के ग्रामीणों के द्वारा अनाज वितरण में अनियमितता, कालाबाजारी, 20 किलो ग्राम चावल के बदले 14 किलो ग्राम चावल तथा 14 किलो ग्राम गेहूँ के बदले मात्र 10 किलो ग्राम गेहूँ तथा एक वर्ष में मात्र आठ माह ही अनाज वितरण के विरोध में सड़क को जाम किया गया था, यदि हाँ, तो क्या सरकार दोषी जन-वितरण दुकानदारों के विरुद्ध अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

पुनर्जीवित करना

*1724. श्री महेश्वर प्रसाद यादव—क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य कृषि विपणन परिषद को विघटित कर देने के कारण राज्य के किसानों को अपनी फसलों को बेचने के लिये कोई निश्चित बाजार नहीं होने के कारण किसानों को अपनी फसल को औने-पौने मूल्यों पर बिचौलियों के हाथों बेचना पड़ रहा है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बिहार राज्य कृषि विपणन परिषद को पुनर्जीवित करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

रिक्त पद पर पदस्थापन

*1725. श्रीमती बेबी कुमारी—क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के मुशहरी अंचल में 12 (बारह) राजस्व कर्मचारियों का पद सृजित है, परन्तु उक्त अंचल में मात्र 5 (पाँच) राजस्व कर्मचारी पदस्थापित हैं, जिसके कारण भूमि संबंधी समस्याओं को राजस्व एवं अन्य कार्यों में भुक्तभोगियों को काफी कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक वर्णित अंचल में सृजित पद के विरुद्ध रिक्त पद पर राजस्व कर्मचारियों का पदस्थापन करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जलमीनार का निर्माण

*1726. श्री अचमित ऋषिदेव—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत रानीगंज प्रखंड के खुरमाही पंचायत के जगता ग्राम में जलमीनार का निर्माण वर्ष 2008-09 में प्रारंभ हुआ है, परन्तु उक्त जलमीनार में पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिससे आम जनता को पेयजल आपूर्ति में काफी कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त जलमीनार को बनाने में देरी होने की जाँच करवाकर दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करते हुये पेयजल की सुविधा प्रदान करने का विचार कबतक रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 17 मार्च, 2016 (ई०) ।

राजीव कुमार,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एस०ए०), 187-डी०टी०पी०- 500.